व्यापारियों के दौरे। ऐसे दौरों को व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों के समय विशेषत: प्रोत्साहित किया जाता है क्योंकि उस समय भारतीय निर्मित माल के सम्बन्ध में तकनीकी ब्यौरे समझाने के लिये तकनीकी विक्रेता भी प्राप्त होते हैं।

गन्ने की खोई से कागज तैयार करना

3480. श्री क० मि० मधुकर :
श्री रामावतार शास्त्री :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चम्पारन के चीनी मिलों से गन्ने की खोई यों ही बेकार जाती है क्योंकि या तो लोग इस का इस्तेमाल इंधन के रूप में करते हैं या फिर वह वैसे ही सड़ गल जाती है ;

(ख) क्या सरकार ने गन्ने की खोई से कागज तैयार करने की सम्भाव्यता का विचार किया है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार चम्पारन में सरकारी क्षेत्र में एक कागज का कारखाना लगाने का है; और

(घ) यदि नहीं, तो ऐसा न करने का क्या कारण है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मन्त्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) इस देश में गन्ने की खोई को चीनी मिलें अधिकांश रूप से स्वयं ही ईंधन के रूप में इस्तेमाल करती हैं; सम्भव है कि इस में से कुछ बेकार भी जाती है।

(ख) जी, हां।

(ग) उत्तर प्रदेश। बिहार में खोई से कागज बनाने के कारखाने की स्थापना करने की सम्भावनाओं का पता लगाया जा रहा है।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

Steel Plants

3481. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Steel Mines and Metals be pleased to state:

(a) whether the Planning Commission's suggestion for setting up of fifth and sixth steel plants in the public sector to enable them to utilise the potential that would be created by the Heavy Engineering Corporation at Ranchi has been examined; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) and (b). The need to set up new steel plants in the public sector during the Fourth Plan period is being reviewed in the context of the expected demand and availability of resources. It is Government's intention to utilise the facilities of the Heavy Engineering Corporation to the maximum extent possible when it is decided to take up the new steel plants.

Western Railway Foreign Traffic Accounts Office, Delhi

3482. Shri C. K. Chakrapani:
Shri E. K. Nayanar:
Shri Nambiar:
Shri M. Mohammad Ismail:
Shri P. Gopalan:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been no promotion of the Clerks Grade II to the posts of Clerks Grade I in Foreign Traffic Accounts Office of the Western Railway, Delhi since the 20th November, 1963;

(b) whether it is also a fact that there has been no promotion of the Clerks Grade II to the posts of Clerks Grade I in the Traffic Accounts Office, Northern Railway, Delhi since the 22nd October, 1964; and

(c) if so, the reasons therefor?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Information is